है? क्या सरकार उसके ऊपर खोज करके ऐसी कोई व्यवस्था बना पायेगी जिससे उस तरह की जानकारी लोगों को मिल सके या फिर वहां के पशु-पक्षियों को लाकर जहां सुनामी आने का खतरा रहता है, वहां रखकर इस तंत्र को और सुद्रढ़ करने की और इसका विस्तार करने की कोई योजना सरकार बनाएगी?

श्री तरूण विजय (उत्तराखंड): महोदय, मैं इससे अपने आपको सम्बद्व करता हूं।

Demand for providing adequate relief measures for Uttarkashi district of Uttarakhand affected by landslides and heavy rains

श्री भगत सिंह कोश्यारी (उत्तराखंड): उपसभाध्यक्ष महोदय, उत्तराखंड में दिनांक 04-08-2012 को 12 घंटे से हुई मूसलाधार बारिश ने समूचे उत्तराखंड में तबाही मचा दी। सबसे ज्यादा कहर उत्तरकाशी के गंगाघाटी में बादल फटने से ढहा। जिला प्रशासन ने यहां फायर सर्विस के तीन जवानों सहित 40 लोगों के असीगंगा तथा वहां की नदियों में बहने की पुष्टि की है। हालांकि क्षेत्र की जनता के अनुसार लापता लोगों की संख्या इससे ज्यादा है। आपदा के कहर में सैकड़ों मकान तथा 10 होटल जमींदोंज हो गये हैं। उत्तरकाशी में जोशीयाडा बस्ती समेत करीब 200 मकान खतरे की जद में आ गये। जिला प्रशासन ने केवल 600 करोड़ रूपये की सरकारी और निजी सम्पत्ति का नुकसान होने का आंकलन किया, जबकि यह पांच हजार करोड़ रूपये तक की हानि है।*

THE VICE-CHAIRMAN (DR. E.M. SUDARSANA NATCHIAPPAN): You cannot add in this. Whatever is written, only that much will go on record.

श्री भगत सिंह कोश्यारी: उत्तराखंड में भयानक त्रासदी के तीसरे दिन भी जनजीवन सामान्य नहीं हो पाया है और प्रभावितों को राहत का इंतजार है। भागीरथी का जलस्तर कम होने के बाद बाढ़ की विभीषिका के भयावह मंजर सामने आ रहे हैं। जिले में आई इस भयंकर दैवीय आपदा से लगभग 20 हजार लोग प्रभावित हुए हैं। जिले के लगभग 70 गांवों का सम्पर्क जिला मुख्यालय से टूट गया है।*

THE VICE-CHAIRMAN (DR. E.M. SUDARSANA NATCHIAPPAN): It will not go on record.

श्री भगत सिंह कोश्यारी: प्रशासन द्वारा ठहरने की उचित व्यवस्था न होने के कारण कई प्रभावित परिवारों ने अपने रिश्तेदारों के यहां शरण ले रखी है। सड़क ध्वस्त होने के कारण सामग्री तथा अन्य जरूरत का सामान लोगों तक नहीं पहुंच पाया है। बारिश के कहर से पूरे उत्तराखंड में दहशत व्याप्त है। सड़क मार्ग ध्वस्त होने के कारण शीघ्र हैलीकॉप्टर से खाद्य सामग्री, अन्य जरूरत का सामान तथा उचित आर्थिक पैकेज देने का कष्ट करें। धन्यवाद। (समाप्त)

Demand for giving copensation to people affected by lightning and cloudbursts in various parts of Country

श्री नरेन्द्र कुमार कश्यप (उत्तर प्रदेश): उपसभाध्यक्ष महोदय, भारत वर्ष में तीन प्रकार के

---

* Not recorded